RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 22 JUNE 2022 TO 28 JUNE 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 41 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

ओएनजीसी ने बोकारो कोयला गैस के लिए न्यूनतम 17 डॉलर का भाव मांगा

Page 2

ई-कॉमर्स सप्लायर्स के लिए नियमों को आसान बना सकती है जीएसटी काउंसिल

Page 3

कागज वाले 'स्ट्रॉ' के आयात के लिए कंपनियों में मारामारी, प्रतिबंध समयसीमा बढ़ाने का आग्रह

Page 5

editoria!

पुख्ता हो साइबर सुरक्षा

साइबर सुरक्षा जटिल मसला है, जिसका विविध क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव होता है. इसीलिए, बहुआयामी, बहुस्तरीय पहल और प्रतिक्रियाओं की जरूरत होती है. भौगोलिक दायरे से परे इस समस्या ने सरकारों के सामने बेहिसाब चुनौतियां पेश की हैं. मालवेयर, फिशिंग हमले, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर लक्षित हमला, डेटा चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे वर्चुअल दुनिया के अपराध लगातार बढ़ रहे हैं. भारत में करीब 80 करोड़ लोगों की ऑनलाइन मौजूदगी है, 2025 तक यह तादाद 40 करोड़ और बढ़ जायेगी. इससे साइबर निगरानी और सुरक्षा की अहमियत को समझा जा सकता है. गृह मंत्रालय द्वारा 'साइबर सुरक्षा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस में गृहमंत्री ने इन दोनों के बीच की कड़ी को रेखांकित किया. कुछ देशों ने बकायदा साइबर आर्मी तैयार कर ली है. गृह मंत्रालय के साइबर एवं सूचना सुरक्षा (सीआईएस) अनुभाग के तहत साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) की व्यवस्था बनायी गयी है. इसमें राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, राष्ट्रीय साइबर खतरा विश्लेषण इकाई, राष्ट्रीय साइबर अपराध फोरेंसिक प्रयोगशाला, संयुक्त साइबर अपराध कोऑर्डिनेशन टीम, राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र, राष्ट्रीय साइबर अपराध शोध एवं नवाचार केंद्र तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध इको-सिस्टम और प्रबंधन इकाई जैसे घटक हैं. चूंकि, डेटा और सूचना का व्यापक आर्थिक महत्व है और यह बढ़ भी रहा है. ऐसे में इसकी विविध स्तरों पर सुरक्षा को लेकर तैयारी भी आवश्यक है. साल 2012 में साइबर अपराध के 3377 मामले सामने आये थे, 2020 में यह आंकड़ा 50 हजार को पार कर गया. राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल की शुरुआत के तीन वर्षों में दो लाख सोशल मीडिया अपराध शिकायतों के साथ साइबर अपराध के 11 लाख मामले सामने आये हैं. बीते आठ वर्षों में इंटरनेट कनेक्शन 231 प्रतिशत बढ़ा है, तो प्रति जीबी डेटा लागत भी 96 प्रतिशत तक कम हुई है. इस बढ़त के बीच साइबर धोखाधड़ी और अपराधों का बढ़ना भी स्वाभाविक है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में साइबर अपराधों से दुनियाभर में छह ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ. निजी फर्म, सरकारी सेवाएं, विशेषकर महत्वपूर्ण उपयोगिताओं वाली सेवाओं पर साइबर हमले और सेंधमारी का जोखिम बढ़ रहा है. सामान्य लोगों में साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता नहीं है. डिजिटल प्लेटफॉर्मों के ऐसे अपराधों की चपेट में आने से उपभोक्ताओं का विश्वास टूटता है. साथ ही कैशलेस अर्थव्यवस्था बनने की राह में भी यह अवरोधक है. दूसरी ओर, ऑनलाइन अतिवाद की भी चुनौती है. क्योंकि, कट्टरपंथी और आतंकी भौगोलिक सीमाओं से बाहर भी अपनी हरकतों को अंजाम देने में सक्षम हो जाते हैं. महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्र में साइबर सुरक्षा को पुख्ता करने हेतु सुरक्षा सूचकांक जैसा तंत्र बनाना होगा, ताकि सुरक्षा तैयारियों का सही और सटीक आकलन हो सके. इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर देखने की जरूरत है, तभी व्यापक स्तर पर लोगों की सुरक्षा और निजता की रक्षा हो सकेगी.

रूस से भारत ने 25 गुना ज्यादा किया तेल आयात पुतिन संग मोदी की बैठक, क्या करेंगे बाइडन?

मास्को। एजेंसी

यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका की धमकियों के बाद भी भारत अपने दोस्त रूस के साथ चट्टान की तरह से खड़ा हुआ है। भारत ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से खुद को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी प्रतिबंधों के बीच भारत के रूस से तेल आयात में 25 गुना की वृद्धि हुई है। इससे रूस को पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की मार से बचने में काफी मदद मिल रही है। वहीं अब पीएम मोदी गुरुवार को ब्रिक्स देशों की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे।

वाल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात में 25 गुना की वृद्धि कर दी है। युद्ध शुरू होने से पहले भारत रूस से फरवरी में हर दिन 30 हजार बैरल कच्चा तेल खरीदता था और जून में यह आंकड़ा 10 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया है। यह यूरोप के रूस से आयात का एक चौथाई है। इससे पहले यूरोपीय देशों के नेताओं ने ऐलान किया था कि वे साल के अंत तक रूस से तेल के आयात को 90

फीसदी तक कम कर देंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने अपनी कंपनियों से कहा है कि वे रूस से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करें।

अमेरिका समेत पश्चिमी देश लगातार भारत पर बना रहे दबाव

उधर, भारत ने साफ कह दिया है कि तेल की खरीद का फैसला ऑयल कंपनियों का है। भारत के अलावा तुर्की और चीन ने भी रूस से सस्ता तेल खरीदने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। अमेरिका समेत पश्चिमी देश लगातार भारत पर दबाव बना रहे हैं कि वह रूस से तेल की खरीद को कम करे ताकि उनके प्रतिबंधों का असर रूस पर पड़े। पश्चिमी देशों का मानना है कि तेल और गैस के पैसे के बल पर रूस यूक्रेन युद्ध को लड़ रहा है। भारत की कंपनी इंडियन ऑयल अभी और तेल खरीद बढ़ाने पर काम कर रही है।

दरअसल, रूस भारत को बंपर छूट पर तेल दे रहा है और यही वजह है कि यह आयात बढ़ रहा है। भारत तेल का बड़ा आयातक है और सस्ते तेल की वजह से भारत को बड़ा आर्थिक फायदा हो रहा है। इससे महंगाई को काबू में रखने में बड़ी मदद मिल रही है। इस बीच ब्रिक्स देशों की गुरुवार को बैठक होने जा रही है। इस वर्चुअल बैठक में पीएम मोदी, पुतिन, शी जिनपिंग, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। पुतिन यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार ऐसी किसी बैठक में शामिल हो रहे हैं जिसमें दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

दुनिया में अकेले नहीं हैं पुतिन, ब्रिक्स से जाएगा संदेश

पश्चिमी देशों से बहिष्कार झेल रहे पुतिन के लिए यह बड़ा मौका है और यह इस बात का संकेत है कि रूस के ऊपर चाहे कितना भी प्रतिबंध लगा दिया जाए वह अकेला नहीं है। रूस के साथ एकजुटता का यह संदेश उस समय और ज्यादा साफ हो गया था जब कुछ समय पहले चीन और रूस ने ऐलान किया था कि दोनों के बीच संबंधों में अब कोई सीमा नहीं होगी। भारत समेत ब्रिक्स के किसी भी देश ने अभी तक रूस के हमले की निंदा नहीं की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता पुतिन के साथ दिखाई देने के इच्छुक हैं। उनका कहना है कि पुतिन का ब्रिक्स में स्वागत है और भारत, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के लिए यह वह अछूत नहीं हैं। यह सम्मेलन हर साल होता है और इस साल भी हो रहा है जो पुतिन के लिए बहुत अच्छा है।

रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका ने दी प्रतिक्रिया, बोला- भारत हमारा अहम साझीदार, मगर पुतिन को सजा जरूर मिले

नई दिल्ली। एजेंसी

व्हाइट हाउस ने कहा है कि भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका का 'बेहद अहम' सामरिक साझेदार है और वाशिंगटन नई दिल्ली के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को अहमियत देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ने साथ ही कहा कि रूस के संबंध में प्रत्येक देश को निर्णय लेना है। रणनीतिक संचार पर व्हाइट हाउस सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने बीते मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने के भारत के फैसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम भारतीय नेताओं को उनकी आर्थिक नीतियों पर बात करने देंगे। हम आपको केवल इतना बता सकते हैं कि हम भारत के साथ इस द्विपक्षीय संबंध को अहमियत देते है। प्रत्येक देश को अपने लिए निर्णय लेना है.' उन्होंने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का जिक्र करते हुए कहा, 'ये संप्रभु निर्णय हैं लेकिन हम चाहते हैं कि रूस पर जितना भी अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाया जा सकता है, वह बनाया जाना चाहिए। (व्लादिमीर) पुतिन जो कर रहे हैं उसकी कीमत उन्हें चुकानी चाहिए।

गौरतलब है कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद अनेक देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। किर्बी ने जोर देकर कहा कि भारत 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अहम रणनीतिक साझेदार है, और रक्षा तथा सुरक्षा एवं अर्थिक कई क्षेत्रों में यह साझेदारी परिलक्षित होती है।' गौरतलब है कि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भारत ने खुल कर रूस की निंदा नहीं की है, हालांकि उसने लगातार कहा है कि बातचीत के जरिए समस्या का समाधान तलाशा जाना चाहिए। भारत ने कहा है कि रूस से कच्चा तेल खरीदने का उसका निर्णय देश की ईंधन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे टूटा

मुंबई। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के चलते रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर 78.17 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 78.13 पर खुला, फिर कमजोर रुख के साथ 78.17 तक गिर गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 78.13 पर बंद हुआ था। इस बीच वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 3.47 प्रतिशत गिरकर 110.67 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.61 पर था।

कच्चे तेल की कीमतें उच्च ग्रीष्मकालीन ईंधन की मांग पर बढ़ीं, जबकि आपूर्ति तंग

एजेंसी

मंगलवार को कच्चा तेल 0.61% की तेजी के साथ 8556 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतें गर्मियों में ईंधन की उच्च मांग के कारण बढ़ीं, जबकि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूसी तेल पर प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति तंग बनी हुई है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल निर्यातक रूस से तेल शिपमेंट पर प्रतिबंधों के बाद आपूर्ति की चिंता से कीमतों को समर्थन मिला है, और यह सवाल है कि उत्पादन के लिए आवश्यक उपकरणों पर प्रतिबंधों के कारण रूसी उत्पादन कैसे गिर सकता है। ईरान के साथ परमाणु समझौते की सफल बातचीत और ईरानी ऊर्जा क्षेत्र पर अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने की संभावनाएं कम हो रही हैं।

अपने अधिकांश तेल आयात पर प्रतिबंध लगाने के यूरोपीय संघ के समझौते के बाद रूस के उत्पादन में गिरावट की संभावना है, लेकिन महामारी के बाद की वसूली के कारण मांग अधिक रहेगी। मांग पक्ष पर, चीन प्रोत्साहन उपायों और तकनीकी क्षेत्र पर नियमों में ढील के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में तेल उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन रिफाइनरियां गर्मी की उच्च मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यूएस कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमिशन (CFTC) ने कहा कि मनी मैनेजर्स ने सप्ताह में अपने नेट लॉन्ग यूएस क्रूड फ्यूचर्स और ऑप्शंस पोजीशन को घटाकर 14 जून कर दिया। सट्टा समूह ने इस अवधि के दौरान न्यूयॉर्क और लंदन में अपने संयुक्त फ्यूचर्स और ऑप्शंस पोजीशन को 24,813 अनुबंधों से घटाकर 259,357 कर दिया।

तकनीकी रूप से बाजार में ताजा खरीदारी हो रही है क्योंकि बाजार में ओपन इंटरेस्ट में 4.54% की बढ़त के साथ 4402 पर बंद हुआ है, जबकि कीमतों में 52 रुपये की तेजी आई है, अब कच्चे तेल को 8486 पर समर्थन मिल रहा है और इससे नीचे 8416 के स्तर का परीक्षण देखा जा सकता है। और प्रतिरोध अब 8662 पर देखे जाने की संभावना है, ऊपर एक कदम से कीमतों का परीक्षण 8768 हो सकता है।

ट्रेडिंग विचार

दिन के लिए कच्चे तेल की ट्रेडिंग रेंज 8416-8768 है।

कच्चे तेल की कीमतें गर्मियों में ईंधन की उच्च मांग के कारण बढ़ीं, जबकि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूसी तेल पर प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति तंग बनी हुई है।

रूस से तेल शिपमेंट पर प्रतिबंधों के बाद आपूर्ति की चिंता से कीमतों को समर्थन मिला है

अपने अधिकांश तेल आयात पर प्रतिबंध लगाने के यूरोपीय संघ के समझौते के बाद रूस के उत्पादन में गिरावट की संभावना है, लेकिन मांग अधिक रहेगी

भारत, ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता दीपावली तक होने की उम्मीदः गोयल

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस साल दीपावली तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने सोमवार को ग्रेटर नोएडा में आयोजित 67वें भारत अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। गोयल ने कहा कि भारत सरकार कनाडा, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ यह समझौता करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया, इस्राइल और खाड़ी सहयोग परिषद समेत यूरेशिया और ब्राजील ने भारत के साथ एफटीए समझौता करने की रुचि व्यक्त की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''सभी देश भारत के साथ दोस्ती करने के लिए उत्सुक हैं, हम बहुत बड़ा अवसर और वादा करते हैं। हम कनाडा, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन के साथ एफटीए समझौते को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया तथा खाड़ी देशों समेत यूरेशिया और ब्राजील ने भी भारत के साथ इस समझौते के लिए रूचि दिखाई है। मुझे उम्मीद है कि भारत और ब्रिटेन के बीच दीपावली तक एफटीए समझौता पूरा हो जाएगा।''

अब कहीं का राशन कार्ड और कहीं भी लीजिए राशन, अंतिम राज्य भी जुड़ गया इस योजना से

नई दिल्ली। एजेंसी

आपका उत्तर प्रदेश या बिहार के किसी गांव में राशन कार्ड बना है। आप रोजगार के सिलसिले में दिल्ली, पंजाब, कोलकाता या असम में काम करने चले गए। तो चिंता की कोई बात नहीं है। आप राशन कार्ड के जरिए मिलने वाला राशन उसी राज्य में ले सकते हैं। केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना वन नेशन वन राशन कार्ड अब पूरे देश में लागू हो गई है।

असम इससे जुड़ने वाला अंतिम राज्य

असम इस योजना से जुड़ने वाला अंतिम राज्य है। केंद्र सरकार के खाद्य मंत्रालय ने बताया कि आखिरकार राशन कार्ड 'पोर्टेबिलिटी' सेवा शुरू कर दी है। इसके साथ ही केंद्र का 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड' कार्यक्रम पूरे देश में लागू हो गया है।

क्या है वन नेशन वन राशन कार्ड स्कीम

वन नेशन वन राशन कार्ड ONORC एक देश, एक राशन कार्ड के तहत, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 NFSA के तहत कवर किए गए लाभार्थी देश में कहीं से भी अपना राशन ले सकते हैं। मान लीजिए कि उनका राशन कार्ड बिहार के मुंगेर जिले में बना है, लेकिन वह रोजगार के सिलसिले में दिल्ली में रहते हैं। तो वह दिल्ली स्थित अपनी पसंद के किसी भी इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ़ सेल डिवाइस E-POS-लैस राशन की दुकानों से सब्सिडी वाले खाद्यान्न का अपना कोटा प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के साथ अपने मौजूदा राशन कार्ड का उपयोग करना होगा।

इस योजना से जुड़ चुके हैं 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''असम ओएनओआरसी लागू करने वाला 36वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया है।'' इसके साथ, ओएनओआरसी कार्यक्रम को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है, जिससे पूरे देश में खाद्य सुरक्षा 'पोर्टेबल' हो गई है।

2019 में शुरू हुआ था यह कार्यक्रम

ओएनओआरसी का क्रियान्वयन अगस्त 2019 में शुरू किया गया था। एक देश, एक राशन कार्ड योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सरकार ने 'मेरा राशन' मोबाइल एप्लिकेशन भी शुरू किया है। यह ऐप लाभार्थियों को वास्तविक समय पर सूचना उपलब्ध करा रहा है। यह अभी 13 भाषाओं में उपलब्ध है। अब तक ऐप को गगूल प्ले स्टोर से 20 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है।

ओएनजीसी ने बोकारो कोयला गैस के लिए न्यूनतम 17 डॉलर का भाव मांगा

नई दिल्ली। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने झारखंड के बोकारो स्थित अपने सीबीएम ब्लॉक में कोयला सीम से निकलने वाली गैस के लिए न्यूनतम 17 डॉलर की कीमत मांगी है। एक निविदा दस्तावेज के अनुसार, ओएनजीसी ने बोकारो सीबीएम ब्लॉक से प्रतिदिन दो लाख घन मीटर गैस की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इस कोयला ब्लॉक से वर्ष 2022 के अंत तक गैस उत्पादन शुरू करने की योजना है। ई-नीलामी 20 जुलाई को होगी। इसने मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत के लिए निर्धारित एक फॉर्मूला के आधार पर बोलियां आमंत्रित की हैं। ओएनजीसी ने निविदा में कहा कि गैस का आरक्षित या न्यूनतम मूल्य दिनांकित ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत का 14 प्रतिशत के अलावा एक डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट होगा। बोलीकर्ताओं को एक प्रीमियम उद्धृत करना होगा जो वे इस आरक्षित मूल्य पर देने को तैयार हैं। घरेलू प्राकृतिक गैस के लिए न्यूनतम मूल्य सरकार द्वारा अनिवार्य मूल्य और एक अमरीकी डालर प्रति यूनिट (एमएमबीटीयू) मार्क-अप (लाभ) होगा। इस तरह कच्चे तेल के मौजूदा मूल्य 115 डॉलर प्रति बैरल के आधार पर आरक्षित गैस की कीमत 17 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहेगी। घरेलू गैस की सरकार द्वारा निर्धारित कीमत वर्तमान में 6.1 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है। ओएनजीसी द्वारा बोकारो सीबीएम से निकलने वाली गैस के लिए मांगी गई यह कीमत हाल के उद्योग रुझानों के अनुरूप है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मध्य प्रदेश ब्लॉक से निकली गैस गेल, जीएसपीसी और शेल को गत मार्च में 23 अमरीकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर बेची थी। सरकार हर छह महीने में पारंपरिक क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत तय करती है, वहीं कोयला सीम से निकलने वाली गैस (सीबीएम) की कीमत बाजार से निर्धारित होती है। ओएनजीसी ने कहा कि बोकारो सीबीएम की गैस 15 दिसंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। गैस की पेशकश एक साल की तय अवधि के लिए की जाएगी। बोकारो सीबीएम ब्लॉक में ओएनजीसी की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि शेष 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के पास है।

ड्यूरोफ्लेक्स ने अपने क्लासिक एनर्जाइज़ रेंज के गद्दों को नए बेहतरीन अवतार में लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इनोवेशन और वर्सेटिलिटी से संचालित भारत के प्रमुख स्लीप सोल्यूशन ब्रैंड ड्यूरोफ्लेक्स ने अपने गद्दों की क्लोसिक रेंज एनर्जाइज़ को एकदम नए अवतार में लॉन्च किया है नए-नए अत्योधुनिक फीचर्स से अपग्रेड की गई ये रेंज आज की भागती-दौड़ती और बेहतरीन परफॉर्मेंस चाहने वाली जीवनशैली की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम उचित समाधान है एनर्जाइज़ को अनोखी कॉपर जैल इन्फ्यूजन लेयर और एंट्री स्ट्रेस फैब्रिक के साथ तकनीकी रूप से ज्यादा उन्नत बनाया गया है यह गद्दे नौजवानों को ऊर्जा देने वाली सबसे गहरी नींद प्रदान करते हैं जिससे वह अगले दिन की शुरुआत करने के लिए नींद से जागने पर तरोताजा और रिचार्ज महसूस करें।

ड्यूरोफ्लेक्स की चीफ मार्केटिंग ऑफीसर स्मिता मुरारका ने कहा ड्यूरोफ्लेक्स में हम अच्छी नींद की परिभाषा लगातार नए सिरे से गढ़ने का प्रयास करते रहते हैं हम अपने उत्पाददों का नई तकनीक के साथ नए सिरे से आविष्कार करने में विश्वासस करते हैं जिससे वह नए जमाने के उपभोक्ता की लगातार बढ़ती जरूरतों और मांगों को पूरा कर सके नए अंदाज में बनाई गई एनर्जाइज़ रेंज आजकल के नौजवानों के लिए बिल्कुल फिट है जिनकी जिंदगी भाग-दौड़ से भरी होती है यह बेहतरीन परफॉर्मेंस देने वाले गददे हैं, जो अच्छी और आराम की नींद देते हैं जिससे दिन भर की थकान के बाद दिमाग और शरीर को वह आराम मिल जाता है जिसकी उन्हें बेहद जरूरत होती है इससे वह थकान से मुक्ति पाकर अपना अगला दिन नई ऊर्जा से शुरू करते हैं एनर्जाइज़ रेज को सुखद नींद का अनुभव प्रदान करने के लिए बेहतरीन क्वॉलिटी के मटीरियल से बनाया गया है कॉपर जैल के साथ नई एनआरजी> लेयर और ड्यूरोफ्लेक्स की अनोखी 3 जोन सपोर्ट टेक्नोलॉजी सुकून भरी नींद प्रदान करती है जिससे आप पूरी तरह तरोताजा और उर्जावान महसूस करते हैं कॉपर एक प्राकृतिक तत्व है जिसमें असाधारण रूप से सूक्ष्मजीव प्रतिरोधी विशेषताएं होती हैं जो गद्दों को वायरस बैक्टीरिया और हर तरह की दुर्गंध से दूर रखता है इन गद्दों को बनाने में प्रयोग किया गया एंट्री स्ट्रेस स्पेश्यलिएटी फैब्रिक स्थिर तनाव को कम करने में मदद करता है, जिससे आपको गहरी नींद आती है गद्दे की हर परत को सावधानी से लोगों को ज्यादा सुविधा और सपोर्ट देने के लिए बनाया गया है। इस रेंज की लॉन्चिंग के साथ कंपनी ने स्थिरता (सस्टोनेबिलिटी) की दिशा में कदम बढ़ाया है गद्दों में इस्तेमाल किए गए एंटी स्ट्रेस फैब्रिक को रिसाइकल किए गए 40 फीसदी यार्न से बनाया गया है इस यार्न को इस्तेमाल की गई पीईटी की बोतलों से बनाया जाता है इस रेंज की पैकेजिंग भी पूरी तरह रिसाइकल करने योग्य है।

ई-कॉमर्स सप्लायर्स के लिए नियमों को आसान बना सकती है जीएसटी काउंसिल

28 जून को है बैठक

नई दिल्ली। एजेंसी

चंडीगढ़ में 28 व 29 जून को जीएसटी काउसिंल की बैठक होने वाली है। बैठक में कई बदलावों पर चर्चा की संभावना है। सीएनबीसी टीवी 18 ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि जीएसटी काउंसिल ई-कॉमर्स सप्लायर्स के लिए नियमों को आसान कर सकती है। इसके अलावा काउंसिल कमियों को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का अधिकार भी दे सकती है। सूत्रों के अनुसार, सरकार बैठक में राष्ट्रीय मुनाफाखोरी रोधी प्राधिकरण (एनएए) और अब तक लंबित मामलों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

वकीलों की नियुक्ति

संभावना है कि सरकार ने बैठक में यह भी बताएगी कि एनएए ने हाईकोर्ट्स में मामलों को डिफेंड करने के लिए सॉलिसिटर जनरल और वकीलों का पैनल नियुक्त किया है। इसके अलावा जिन कोर्ट्में एनएए के खिलाफ फैसला आया है तो उस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने के लिए वकीलों की एक टीम नियुक्त की गई है।

जानकारी के अनुसार, सरकार ये साल खत्म होने तक एनएए को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) में मिला सकती है। इस विलय के बाद एनएए के सभी लंबित मामलों कि निगरानी, जांच व फैसले संबंधी अधिकार सीसीआई के पास आ जाएंगे। खबरों के अनुसार, एनएए के पास अभी 400 मामले लंबित हैं।

बैठक में और क्या होगा अहम

जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई गैर-बीजेपी शासित राज्य मुआवजा विस्तार की मांग कर सकते हैं। दरअसल, जीएसटी से राज्यों को होने वाली घाटे की भरपाई 5 साल तक केंद्र को करनी थी, वे 5 साल 2022 में पूरे हो रहे हैं।एक खबर के अनुसार, बीजेपी समर्थित राज्य तमिलनाडु और बिहार भी इस मांग को समर्थन दे सकते हैं। ये बैठक इस लिहाज से भी अहम कि 1 जुलाई को जीएसटी कार्यान्वयन के 5 साल भी पूरे हो रहे हैं।

बैठक में कौन होता है शामिल

जीएसटी काउंसिल की बैठक केंद्रीय वित्त मंत्री की अगुआई में होती है। इसमें राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं। यह जीएसटी काउसिंल की 47वीं बैठक है। इसे अप्रैल में होना था लेकिन वित्त निर्मला सीतारमण की व्यस्तता के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, इंदौर ने मरीजों के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 की थीम 'मानवता के लिए योग' को प्रखर रखते हुए इंदौर के अग्रणी मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने मरीजों और उनके परिजनों के साथ योग दिवस मनाया। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अपनी दिनचर्या में से कुछ समय निकालकर हर दिन योग करने की अपील की। इस विषय पर मेदांता के योगार्थी और डॉ. संजय वैष्णव ने कहा, 'योग में बहुत-से ऐसे आसन और प्राणायाम हैं, जिन्हें न ही बहुत अधिक जगह और न ही बहुत अधिक समय की जरुरत है। आप बहुत ही कम समय और जगह में इनका अभ्यास कर अपने मन और शरीर को प्रचुर मात्रा में लाभ पहुँचा सकते हैं। या यूँ कह लें कि प्राणायाम की मदद से हम केवल अपने शरीर को ही नहीं, बल्कि मन को भी मजबूत, प्रसन्न और स्वस्थ रख सकते हैं।' स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए वे कहते हैं, 'अपनी दिनचर्या में से कम से कम 10 मिनट का समय निकालकर योग को समर्पित करें, नतीजतन ये आसन कई बीमारियों से राहत दिला सकते है, जिनमें जोड़ों के दर्द, शरीर में अकड़न और पेट दर्द आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।' हमारे ऋषि-मुनियों की दूरदर्शिता और सूझ-बूझ का ही परिणाम है कि योग में ऐसे आसन भी हैं, जो समस्त शरीर को व्यायाम देने के साथ ही मन को भी शांत रखते हैं। स्पाइन, एब्डोमल कम्प्रेशन, एक्सटर्निटीज़ और रिलैक्सेशन आदि से संबंधित आसन इसे अपनाने वाले लोगों को काफी हद तक राहत प्रदान करते हैं।

जेके ऑर्गेनाइज़ेशन ने आयोजित किए रक्तदान शिविर

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जेके ऑर्गेनाइज़ेशन के पूर्व अध्यक्ष श्री हरि शंकर सिंघानिया की 89वीं जयंती के उपलक्ष्य में जाने-माने ओद्योगिक समूह ने अपने विभिन्न प्लांट्स एवं कार्यालयों में 'रक्तदान शिविरों' का आयोजन किया। समूह कई तरह से सामाजिक सेवाओं में सक्रिय है। स्वर्गीय श्री हरी शंकर सिंघानिया को श्रृद्धांजली देने के लिए विशेष रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जो खुद हमेशा समाज के लिए कुछ करना चाहते थे। 'पद्म भूषण' पुरस्कार विजेता स्वर्गीय श्री हरी शंकर सिंघानिया ने कई नए उद्यमों की स्थापना तथा देश-विदेश से कंपनियों के अधिग्रहण द्वारा जेके ऑर्गेनाइज़ेशन के विकास में सक्रिय भूमिका निभाई।

जेके ऑर्गेनाइज़ेशन के 5500 से अधिक कर्मचारियों ने इस मानवतावादी कार्य के लिए पंजीकरण किया और रक्तदान अभियान में हिस्सा लेकर इसे सफल बनाया। रक्तदान से पहले सभी डोनर्स के ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, वज़न आदि की जांच की गई। हर डोनर को अभियान में हिस्सा लेने के लिए एक प्रमाण पत्र भी दिया गया।

इस मौके पर श्री भरत हरि सिंघानिया, चेयरमैन, जेके ऑर्गेनाइज़ेशन ने कहा, "हमारे संस्थापकों के दृष्टिकोण के अनुसार समाज को कुछ देने के प्रयास में जेके ऑर्गेनाइज़ेशन पिछले 100 सालों से सभी को गुणवत्तापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वर्गीय श्री हरी शंकर सिंघानिया की जयंती के पावन अवसर पर जेकेओ ग्रुप कंपनीज़ में आयोजित यह रक्तदान अभियान बड़ी संख्या में लोगों के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो ज़रूरतमंद मरीज़ों को रक्त देकर उन्हें नया जीवन दे सकता है।" जेके ऑर्गेनाइज़ेशन की सभी ग्रुप कंपनियों- जेके टायर, जेके पेपर, जेके लक्ष्मी सीमेंट, जेके एग्री जेनेटिक्स, जेके फेन्नर, उमंग डेयरीज़ लिमिटेड, ग्लोबल स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड, क्लिनीआरएक्स टेंजेंट रीसर्च लिमिटेड, इंडिका ट्रेवल्स, पीएसआरआई हॉस्पिटल एवं जेके लक्ष्मीपत युनिवर्सिटी ने इस अभियान में हिस्सा लिया।

तेजी से बढ़ रही भारत की खेल इंडस्ट्री, 2027 तक अब से 5 गुना हो जाएगा कारोबार, IPL का बड़ा रोल

नई दिल्ली। भारत में खेलों के प्रति लोगों का रुझान किसी से छिपा नहीं है। खेलों के प्रति लोगों की दीवानगी से भारतीय खेल कारोबार भी अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है और स्पोर्ट्स सेक्टर अब अरबों रुपये कारोबार वाली इंडस्ट्री बन चुकी है। ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ने अपनी एक रिपोर्ट में आने वाले पांच सालों में भारतीय खेल कारोबार में पांच गुना उछाल आने की संभावना जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2027 तक भारतीय खेल कारोबार इंडस्ट्री का बिजनेस 100 अरब डॉलर का हो जाएगा।

खेल कारोबार में खेलों के प्रसारण के मीडिया अधिकार, खेलों के लिए ड्रेसेज़, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन और उपकरण आदि शामिल हैं। एक उद्योग के रूप में खेल इंडस्ट्री ने 2020 में 27 बिलियन डॉलर का कारोबार किया था। चीन और जापान के बाद भारत एशिया में खेल उपकरण और अन्य सामान बनाने वाला तीसरा बड़ा देश है। मीडिया राइट्स, खेल उपकरणों और स्पोर्ट्सवियर का बिजनेस बहुत तेज गति से बढ़ रहा है।

आईपीएल का बड़ा योगदान

आनंद राठी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय खेल कारोबार को नई ऊंचाइयां प्रदान करने में इंडियन प्रीमियर लीग का बहुत बड़ा हाथ है। आईपीएल की दर्शक संख्या 9 मिलियन है। इस दर्शक संख्या का अच्छी तरह से व्यावसायिक उपयोग किया गया है। भारतीय स्पोर्ट्स मीडिया का साइज भी लगातार बढ़ रहा है। 2020 में स्पोर्ट्स मीडिया मार्केट का आकार केवल 1 बिलियन डॉलर था, जिसके 2027 तक 13।4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।वैश्विक मीडिया राइट्स मार्केट आज 52.1 बिलियन डॉलर की हो चुकी है। इसमें क्रिकेट का मार्केट शेयर 2.7 से 3 फीसदी है। फुटबॉल की हिस्सेदारी 42 फीसदी है और यह मीडिया राइट्स में इसकी बादशाहत आज भी कायम है। हालांकि, 2019 में का गया था कि ग्लोबल मीडिया राइट्स मार्केट का साइज 30-31 बिलियन डॉलर ही है।

कई चुनौतियों के बाद भी बढ़िया ग्रोथ

भारत में स्पोर्ट्स इंडस्ट्री लगातार विकास कर रही है। इसकी ग्रोथ रेट भी काफी अच्छी है। हालांकि देश में खेलों के लिए मूलभूत ढांचे में कमी, खेल उपकरणों और आयोजनों पर भारी टैक्स और पैसे तथा प्रबंधन का अभाव इस सेक्टर की वो प्रमुख चुनौतियां हैं, जो इसके विकास में आड़े आ रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और जापान के बाद भारत एशिया में भारत खेलों के सामान और उपकरणों का सबसे बड़ा निर्माता है।

खेल से संबंधित सामान के बाजार का आकार भारत में 2020 में 4.5 बिलियन डॉलर का था जो 2027 तक 6.6 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। इसके अलावा भारत खेल परिधान बाजार भी तेजी से विकास कर रहा है और इसके वर्ष 2027 तक 14 बिलियन डॉलर के होने का अनुमान रिपोर्ट में लगाया गया है। 2020 में परिधान बिजनेस 14 बिलियन डॉलर रहा था।

मेट्रो परियोजनाएं निर्माण कंपनियों के लिये सृजित करेंगी 80,000 करोड़ रुपये का कारोबारः इक्रा

नयी दिल्ली। एजेंसी

घरेलू मेट्रो रेल परियोजनाओं से निर्माण कार्यों से जुड़ी कंपनियों के लिये अगले पांच साल में 80,000 करोड़ रुपये मूल्य के कारोबार अवसर सृजित होंगे। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह संभावना जताई है। देश के 15 शहरों में मेट्रो रेल परिचालन में है। इसकी कुल लंबाई करीब 746 किलोमीटर है और इनमें से ज्यादातर परियोजनाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा सात अन्य शहरों में मेट्रो परियोजनाएं निर्माणधीन हैं जिनकी लंबाई करीब 640 किलोमीटर है। इसके साथ ही 2,000 अरब रुपये की 1,400 किलोमीटर की मेट्रो रेल परियोजनाएं मंजूरी/प्रस्ताव के चरण में हैं। इसमें से 352 किलोमीटर के नये मेट्रो नेटवर्क को मंजूरी दी गई है। शेष अभी प्रस्ताव के स्तर पर हैं। मेट्रो रेल परियोजनाओं के विस्तार से निर्माण क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के लिये अगले पांच साल में 80,000 करोड़ रुपये के कारोबार के अवसर सृजित होंगे।

इक्रा के सहायक उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट रेटिंग) अभिषेक गुप्ता ने कहा, ''सरकार बुनियादी ढांचे पर जोर दे रही है। ऐसे में अगले पांच साल में मेट्रो रेल नेटवर्क में 2.7 गुना विस्तार होने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा, ''आम तौर पर मेट्रो रेल विकास की लागत एलिवेटेड मेट्रो के मामले में 280-320 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर के बीच होती है। जबकि भूमिगत मेट्रो नेटवर्क के मामले में लागत बहुत अधिक हो सकती है।'' गुप्ता ने कहा कि कुल लागत में 'सिविल' निर्माण की हिस्सेदारी 35-45 प्रतिशत है। मेट्रो परियोजनाओं के वृहत आकार को देखते हुए यह अगले पांच साल में निर्माण क्षेत्र की कंपनियों के लिए बड़े अवसर प्रदान कर सकती है।

अगले पांच साल के दौरान हर वर्ष 1,500 से 2,000 शाखाएं खोलेगा एचडीएफसी बैंक

नयी दिल्ली। आईपीटी न्यूज

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने हर साल करीब 1,500 से 2,000 शाखाएं खोलने के साथ अगले तीन से पांच वर्ष के दौरान अपनी शाखाओं के नेटवर्क को दोगुना करने की योजना बनाई है। निजी क्षेत्र के बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा, ''एचडीएफसी लिमिटेड का और एचडीएफसी बैंक का प्रस्तावित विलय भविष्य में एक पूरी तरह से अलग पहलू लाएगा।''

उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि रास्ता बहुत बड़ा है और हम संभावित रूप से हर पांच साल में एक एचडीएफसी बैंक खड़ा कर सकते हैं।'' जगदीशन ने आगे कहा कि बैंक का हर साल 1,500 से 2,000 शाखाएं खोलकर अगले तीन से पांच वर्षों में अपनी शाखाओं के नेटवर्क को लगभग दोगुना करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में पूरे भारत में बैंक की 6,000 से अधिक शाखाएं हैं। उन्होंने कहा, ''देश की जनसंख्या के अनुसार, बैंक की शाखाओं की संख्या आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) देशों की तुलना में बहुत कम है। देश में हमारी 6,000 से अधिक शाखाएं हैं और हम अगले तीन से पांच वर्षों में हर साल 1,500 से 2,000 शाखाएं खोलकर अपने नेटवर्क को लगभग दोगुना करने की योजना बना रहे हैं।'' इस साल अप्रैल की शुरुआत में हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (एचडीएफसी) और इसकी अनुषंगी कंपनी एचडीएफसी बैंक ने विलय की घोषणा की थी। इसके 15 से 18 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है।

वैश्विक स्तर पर गोल्ड रिसाइकलिंग में भारत को मिली चौथी रैंकिंग

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने भारत में सोने के बाज़ार के बारे में गहराई से विश्लेषण करने की श्रृंखला के अंतर्गत गोल्ड रिफाइनिंग एंड रिसाइकलिंग शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की इस रिपोर्ट में खास तौर पर बताया गया है कि भारत में लगातार बढ़ती सोने की मांग के बीच, रिसाइकलिंग की खास जगह बनी हुई है। इसके अलावा, रिपोर्ट में बदलावों के दौर के बाद स्थिरता की ओर बढ़ रहे रिफाइनिंग उद्योग के बारे में भी बताया गया है कि यह उद्योग तेज़ी से वृद्धि करेगा।

सोमसुंदरम पीआर रीजनल सीईओ इंडिया वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने कहा अगर बुलियन बाज़ार के अगले चरण के सुधारों में जिम्मेदार तरीके से सोना लेने बार के निर्यात और अयस्क या स्क्रैप की निरंतर आपूर्ति को बढ़ावा दिया गया तो भारत रिफाइनिंग के लिहाज़ से प्रतिस्पर्धी केंद्र के तौर पर उभर सकता है स्थानीय स्तर पर रुपये की कीमतों और आर्थिक चक्र के आधार पर काम करने वाला घरेलू रिसाइकलिंग बाज़ार अपेक्षाकृत कम संगठित हैं लेकिन उन्हें बेहतर जीएमएस (गोल्ड मॉनिटाइजेशन स्कीम) जैसे प्रयासों के माध्यम से मदद पहुंचानी चाहिए, क्योंकि इस बाज़ार को आकर्षक बनाने के लिए कई नीतिगत प्रयास किए गए हैं इन प्रयासों का उद्देश्य सरप्लस सोने को मुख्यधारा में लाना है और बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से नकदीकरण बढ़ा है हमारी रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आभूषणों को अपने पास रखने का समय भी कम होता जाएगा क्योंकि कम उम्र के उपभोक्ता ज़्यादा जल्दी-जल्दी डिज़ाइन बदलना चाहते हैं यह ऐसा रुझान है जिससे रिसाइकलिंग के बढ़ते स्तर को बढ़ावा मिलेगा दूसरी ओर मज़बूत आर्थिक वृद्धि के दम पर हुई आय में बढ़ोतरी होने से एकदम से बिक्री करने की आदत में कमी आएगी और लोगों को तुरंत बेच देने के बजाय अपना सोना गिरवी रखना आसान लगेगा। इसलिए, बेहतर प्रोत्साहन और एक छोर से दूसरे छोर तक के सोने की आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए तकनीक आधारित सॉल्यूशंस के साथ संगठित रिसाइकलिंग को बढ़ावा देना ज़रूरी है।

बीते वर्षों के दौरान, भारत में सोने के रिफाइनिंग उद्योग में ज़बरदस्त वृद्धि देखने को मिली है और वैश्विक स्तर पर सोने की रिसाइकलिंग में भारत चैथे पायदान पर पहुंच गया है। एक अनुमान के मुताबिक 2013 से 2021 के बीच भारत में सोने की रिफाइनिंग क्षमता 1500 टन यानी करीब 500 फीसदी तक बढ़ी है। इसके अलावा, पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में सोने की कुल आपूर्ति में 11 फीसदी हिस्सेदारी ष्पुराने सोनेष् की रही। इसकी मुख्य वजहें, सोने की कीमतों में हुए बदलाव सोने की कीमतों को लेकर भविष्य में उम्मीदें और व्यापक आर्थिक परिदृश्य जैसी चीज़ें रहीं। भारत में सोने की रिफाइनिंग का परिदृश्य पिछले एक दशक के दौरान, भारत में सोने की रिफाइनिंग का परिदृश्य काफी बदल गया है, 2013 में औपचारिक तौर पर परिचालन कर रही रिफाइनरियों की संख्या पांच से भी कम थी जो 2021 में 33 हो गई। परिणाम के तौर पर देश में सोने की रिफाइनिंग की संगठित क्षमता अनुमानित तौर पर 1800 टन हो गई जो 2013 में सिर्फ 300 टन थी। चूंकि अनौपचारिक सेक्टर भी अतिरिक्त 300-500 टन है, ऐसे में यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि असंगठित रिफाइनिंग की क्षमता में गिरावट आई है। इसकी एक प्रमुख वजह सरकार के प्रदूषण को लेकर कड़े नियम हो सकते हैं जिनकी वजह से मेल्टिंग की कई स्थानीय दुकानें बंद हो गईं। इसकी एक अन्य वजह यह भी है कि ज़्यादातर रिटेल दुकानें संगठित रिफाइनरियों की मदद से पुराना सोना रिसाइकल कराती हैं।

इसके अलावा, टैक्स में मिलने वाले लाभ से भी भारत में सोने की रिफाइनिंग के उद्योग को आगे बढ़ने में मदद मिली है। रिफाइन किए गए सोने के मुकाबले अयस्क पर लगने वाले आयात शुल्क के अंतर की वजह से भारत में संगठित रिफाइनिंग की वृद्धि में तेज़ी आई है। परिणामस्वरूप कुल आयात में सोने के अयस्क की हिस्सेदारी 2013 के सिर्फ 7 फीसदी से बढ़कर 2021 में करीब 22 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई है।

कच्चे तेल और पाम ऑयल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी

महंगाई की मार के बीच इन दिनों कई चीजों की इनपुट कॉस्ट में गिरावट आ गई है, लेकिन बावजूद इसके एफएमसीजी कंपनियों ने प्रोडक्ट्स की कीमतों में कटौती नहीं की है। क्रूड ऑयल और पाम ऑयल सस्ता होने के बावजूद एफएमसीजी प्रोडक्ट्स पर कोई असर नहीं दिख रहा है। संतूर जैसे ब्रांड बेचने वाली विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग के प्रेसिडेंट अनिल चुघ कहते हैं इनपुट कॉस्ट कम होने के बावजूद प्रोडक्ट्स की कीमतों में कटौती नहीं होगी। उनका कहना है कि कंपनियां महंगाई का पूरा भार ग्राहकों पर नहीं डाल रही थीं, बल्कि खुद का मार्जिन घटा लिया था। अब कंपनियों ने प्रोडक्ट्स के दाम तो नहीं घटाए हैं, लेकिन अच्छी बात ये है कि आने वाले दिनों में दाम अब और नहीं बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

कहां-कहां इस्तेमाल होता है पॉम ऑयल और क्रूड ऑयल?

पाम ऑयल का इस्तेमाल साबुन, बिस्कुट और नूडल्स बनाने में होता है, जबकि कच्चा तेल डिटर्जेंट और पैकेजिंग के लिए

अहम इनपुट है। पाम ऑयल की कीमत 1800-1900 डॉलर मीट्रिक टन के उच्च स्तर से गिरकर 1300 डॉलर मीट्रिक टन तक आ चुकी है। वहीं कच्चे तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल के उच्चतम स्तर से गिरकर 107 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंची थी। एफएमसीजी सेक्टर की करीब आधी कंपनियों के लिए ये दो चीजें इनपुट कॉस्ट का हिस्सा हैं। खाने के तेल बेचने वाली कंपनियों ने कुछ कटौती की है, लेकिन एफएमसीजी की बाकी कैटेगरी में कोई कटौती नहीं हुई है। उनका कहना है कि कंपनी का मुनाफा काफी दबाव में है।

लोगों के बजट गड़बड़ाएं

पूरा ही एफएमसीजी मार्केट फरवीर और अप्रैल के बीच करीब 1 फीसदी गिरा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह एक अच्छा संकेत है, लेकिन ये नहीं कह सकते हैं कि यह कब तक रहेगा। प्रोडक्ट्स की बढ़ती कीमतों की वजह से परिवारों के बजट पर बड़ा असर पड़ा है। ग्राहकों ने फरवरी और अप्रैल के बीच प्रति किलो एफएमसीजी प्रोडक्ट्स पर करीब 10 फीसदी अतिरिक्त पैसे चुकाए हैं। वहीं दूसरी ओर प्रोडक्ट के साइज में भी औसतन 15 फीसदी की कटौती हुई है।

पार्ले प्रोडक्ट्स के सीनियर कैटेगरी हेड मयंक शाह कहते हैं कि अधिकतर कंपनियों का मुनाफा बढ़ा है। ऐसे में आने वाले दिनों में अब कीमत में कोई बढ़ोतरी या वजन में कोई कटौती नहीं की जाएगी। करीब एक दर्जन लिस्टेड एफएमसीजी कंपनियों का ग्रॉस प्रॉफिट लगातार 10वीं तिमाही में गिरा है। हालांकि, आने वाले दिनों में शानदार मांग रहने और मार्जिन रिकवरी की उम्मीद जताई जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार मानसून अच्छा रहेगा और महंगाई का दबाव भी आने वाले दिनों में कम होगा।

ईनो ने भारत के पहले मेटावर्स स्टैंड अप कॉमेडी शो के साथ

देश में अपनी 50वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया

इंदौर। एजेंसी

जीएसके कंज्यूमर हेल्थकेयर के प्रमुख एंटासिड ब्रांड ईनो ने भारत में अपने 50 साल पूरे कर लिए हैं। पिछले पांच दशकों में, यह ब्रांड देशभर में खाने के शौकीनों का भरोसेमंद विंगमैन रहा है और कई बार एसिडिटी की वजह से होने वाली परेशानियों (अब एक साल में एक अरब से ज्यादा बार) से बाहर निकाला है। पिछले कई सालों से अपने मजेदार, जीवन के सार वाले विज्ञापनों के साथ ईनो ने एसिडिटी के बारे में लोगों को समझाने और जागरूकता फैलाने के लिये ह्यूमर को एक टूल की तरह इस्तेमाल किया है। टीवी चैनलों और डिजिटल पर अपने मशहूर कैम्पेन के साथ, एसिडिटी और इसके उपचार के बारे में चर्चा करने के इसके विचित्र दृष्टिकोण में पिछले 5 दशकों में काफी बदलाव आया है। अपनी 50वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने और मजेदार फूडीज की अपनी कम्युनिटी बनाने के लिये, ईनो ने मेटावर्स में भारत के पहले स्टैंड अप कॉमेडी कार्यक्रम में कुछ प्रमुख भारतीय कॉमेडियंस के साथ साझीदारी की है। प्रमुख स्टैंड अप कॉमिक जाकिर खान की चर्चाओं और अन्य प्रमुख टॉप इंफ्लूएंसर, राहुल सुब्रमण्यिम, कनीज सुरखा, साहिल शाह, राहुल दुआ, किरण दत्ता और श्रद्धा जैन द्वारा समर्थित, यह शो देश की अद्वितीय और विविध खाद्य संस्कृति का उत्सव था, जिसे बड़े ही अनूठे स्टैंड अप कॉमेडी अंदाज में पेश किया गया। ब्रांड गतिविधियों के लिये एक प्लेटफॉर्म के तौर पर मेटावर्स अभी भी भारत में एकदम नई चीज है, लेकिन यह इमर्सिव तकनीक आज के जमाने में एक बेहद मजबूत अभि?यक्ति है। 'ए प्लेटफुल ऑफ लाफ्स विद जाकिर खान', के नाम से यह स्टैंड अप कॉमेडी शो कॉमेडियन के बीच एक संपर्क था, जो एक एम्पीथियेट्रिकल प्रदर्शन स्थल के रूप में डिजाइन किए गए मेटावर्स में अपने कस्टमाइज अवतार में नजर आए। यह ह्यूमर एसिडिटी और खाने और खाने के शौकीनों को लेकर उनके व्यक्तिगत अनुभवों को लेकर था। इस कार्यक्रम की शुरूआत से पहले, 3 दिनों का इंस्टाग्राम टीज़र कैम्पेन चलाया गया था, जहां सभी कॉमिक्स ने कंटेंट बनाए और आगामी कार्यक्रम के बारे में एक दूसरे से बातचीत की। इस कार्यक्रम के बाद, उन सभी ने मेटावर्स के अंदर और परफॉर्मेंस के दौरान अपने व्यक्तिगत अनुभवों के वीडियो जारी किए।

अनुरिता चोपड़ा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, भारत उपमहाद्वीप, जीएसके कंज्यूमर हेल्थकेयर इंडिया ने कहा कि भारत में ईनो की 50वीं वर्षगांठ मनाते हुए और देश के सबसे मशहूर और पसंदीदा ब्रांड की विरासत को आगे बढ़ाते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह एक ऐसा ब्रांड रहा है जिसने हमेशा ही लोगों से जुड़ने के लिये अपने दायरे से बाहर आने की कोशिश की है और हर दिन एसिडिटी की परेशानी से जूझने वाले लोगों के लिये यह एक असली विंगमैन बना है।

श्रीलंका को 57.5 लाख डॉलर की अतिरिक्त वित्तीय सहायता देगा अमेरिका

कोलंबो। एजेंसी

अमेरिका ने मंगलवार को नकदी की कमी से जूझ रहे श्रीलंका में आर्थिक संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित लोगों की तत्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 50 लाख डॉलर से अधिक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। यह अनुदान यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के माध्यम से दिया गया है। पिछले सप्ताह यूएसएआईडी के माध्यम से 60 लाख डॉलर और विकास वित्त निगम के माध्यम से 12 करोड़ डॉलर के नये कर्ज की घोषणा की गयी थी। उक्त सहायता उसी घोषणा का हिस्सा है। श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से अलग होने के बाद से अबतक के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। अमेरिका ने मंगलवार को नये वित्त पोषण की तीसरी किस्त की घोषणा की। श्रीलंका में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस मानवीय सहायता के तहत नकदी के साथ अल्पकालीन रोजगार और बीज जैसे कृषि कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित लोगों को की जाएगी ताकि वे अपन जरूरतों को पूरा कर सके। यह सहायता कुल 57.5 लाख डॉलर की है।

फ्लिपकार्ट की एंड ऑफ सीज़न सेल में भारत ने की खुलकर खरीदारी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फ्लिपकार्ट की एंड ऑफ सीज़न सेल 2022 समाप्त हो चुकी है और इसमें भारत ने दिल खोलकर फैशन ब्रांड्स और लेबल्स की खरीदारी की इस सेल में देशभर के सेलर्स ने करोड़ों लोगों को अपनी सेवाएं दीं करोड़ों ग्राहकों ने फैशन एक्सेसरीज़ और लाइफस्टाइल उत्पादों की खरीदारी की जिसने लाखों विक्रेताओं के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का काम किया इस ईओएसएस 2022 में पहली बार 24ह्र7 लाइव कॉमर्स इनीशिएटिव लाया गया जिसमें रियल टाइम में ब्रांड्स सेलर्स और इंफ्लुऐंसर्स को साथ कनेक्ट करने का अवसर मिला इस सेल में 10,000 से अधिक ब्रांड्स और 2,00,000 से अधिक सेलर्स ने साथ आकर पुरुषों महिलाओं और बच्चों के लिए 10 लाख से अधिक फैशनेबल एपेरल एवं एक्सेसरीज़ की पेशकश की। अभिषेक मालू, सीनियर डायरेक्टर फ्लिपकार्ट फैशन ने कहा इस साल की एंड ऑफ सीज़न सेल ने फैशन की वापसी की भावना को मज़बूती दी है क्योंकि हमने इसमें महामारी के बाद से उपभोग और ऐंगेजमेंट में काफी तेज़ी देखी है हमने अपने ग्राहकों को टेक्नोलॉजी आधारित इनोवेशंस जैसे पहली बार पेश किए गए 24ह्र7 लाइव कॉमर्स के साथ पेशकशों की व्यापक रेंज उपलब्ध कराकर उनके खरीदारी अनुभव को बेहतर बनाने की अपनी कोशिश जारी रखी है पूरे फैशन इकोसिस्टम को मज़बूती देने की हमारी कोशिशों के कारण देशभर के हज़ारों देसी फैशन ब्रांड्स और सेलर्स के आर्थिक विकास को भी मदद मिली है हम इस एंड ऑफ सीज़न सेल की शानदार सफलता से अभिभूत हैं और हमें पूरा भरोसा है कि इससे फ्लिपकार्ट के फैशन पोर्टफोलियो को और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। 10-17 जून तक सप्ताह भर चले इस इवेंट में देशभर के ग्राहकों ने अपने वार्डरोब्स को रिफ्रेशिंग रूप दिया और सबसे अधिक मांग पुरुषों की टी-शर्ट्स, जींस, फॉर्मल एवं वेडिंग वियर, वीमेन वेस्टर्न वियर, साडियां, जूते, लगेज, हैंडबैग्स और घडियों की रही। आने वाले मॉनसून सीज़न और यात्राओं में तेज़ी को देखते हुए रेनकोट्स, बैकपैक्स, हैंडबैग्स, सूटकेसों और डफल बैग्स की खरीदारी में भी काफी तेज़ी दिखी। देशभर में बच्चे अब स्कूलों में लौटने लगे हैं तो ऐसे में यूनिफॉर्म, बैजेस और काले जूतों की मांग में भी तेज़ी देखी गई। सबसे अधिक खरीदारी काले रंग की हुई और इसकी 16 लाख से अधिक यूनिट्स बिकी। कुल मांग में से आधी भागीदारी वेस्टर्न वियर की थी जिसमें प्यूमा, एडिडास, यूएस पोलो एसोसिएशन, रोडस्टर और हाइलैंडर जैसे ब्रांड्स ग्राहकों के सबसे पसंदीदा रहे।

कागज वाले 'स्ट्रॉ' के आयात के लिए कंपनियों में मारामारी, प्रतिबंध समयसीमा बढ़ाने का आग्रह

नयी दिल्ली। एजेंसी

जूस और दूध संबंधी उत्पादों के लिए पैकेट बनानी वाली पारले एग्रो, डाबर और मदर डेयरी जैसे कंपनियां उच्च कीमतों के बावजूद अपने उत्पादों को बेचने के लिए पेपर 'स्ट्रॉ' का आयात करने को मजबूर है। सरकार ने प्लास्टिक 'स्ट्रॉ' के इस्तेमाल पर एक जून से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में कंपनियों ने कई कारणों का हवाला देते हुए इस प्रतिबंध की समयसीमा को आगे बढ़ाने का आग्रह किया है।

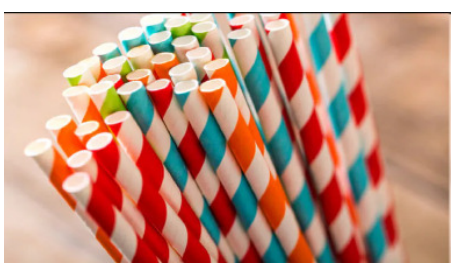

विनिर्माताओं की मांग है कि सरकार प्रतिबंध के लागू होने की तारीख को तब तक बढ़ाए जब तक कि स्थानीय स्तर पर पेपर स्ट्रॉ के उत्पादन के लिए उचित बुनियादी ढांचा विकसित नहीं हो जाता है। कंपनियों का कहना है कि इस तरह के स्ट्रॉ का आयात आर्थिक रूप से अनुकूल नहीं है। पारले एग्रो की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एस चौहान ने कहा, "घरेलू स्तर पर वर्तमान में उद्योग के लिए आवश्यक स्ट्रॉ की मात्रा का उत्पादन करने में सक्षम होने के लिए कोई बुनियादी ढांचा नहीं है।"

उन्होंने कहा, "हमने नए नियमों को तय समय सीमा तक पूरा करने के लिए पेपर स्ट्रॉ आयात करना शुरू कर दिया है। हालांकि, आयात एक स्थायी विकल्प नहीं है।" उन्होंने कहा, "पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) और पेपर स्ट्रॉ आयात करने की लागत क्रमशः 259 प्रतिशत और 278 प्रतिशत बढ़ जाती है। केवल 10 रुपये के उत्पाद के लिए यह बिल्कुल ठीक नहीं है।" डाबर इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (संचालन) शाहरुख खान ने कहा, "कुछ राज्यों के नियामकों ने 'जैविक रूप से अपघटित होने वाले प्लास्टिक स्ट्रॉ और पेपर स्ट्रॉ के उपयोग की अनुमति दी है। इन स्ट्रॉ का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने के लिए बुनियादी ढांचा आज भारत में मौजूद नहीं है।" उन्होंने कहा, "इसलिए, हम सरकार से प्रतिबंध की तारीख को तब तक बढ़ाने का आग्रह करते है, जब तक स्थानीय स्तर पर पेपर स्ट्रॉ के उत्पादन के लिए उचित बुनियादी ढांचा विकसित या तैयार न हो जाए।"

व्रत-उपवास के दो दिन:योगिनी एकादशी 24 को और आषाढ़ द्वादशी व्रत 25 जून को, दोनों दिन होती है भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा

निर्जला एकादशी के बाद और देवशयनी से पहले आने वाली एकादशी को योगिनी एकादशी कहा गया है। ये आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष में आती है। इस बार 24 जून, शुक्रवार को रहेगी। इस दिन भगवान विष्णु के वामन रूप और योगीराज श्रीकृष्ण की पूजा करने का विधान बताया गया है।

इस व्रत से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं और 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन करवाने का पुण्य फल मिलता है। इसके अगले दिन द्वादशी तिथि रहेगी। इसलिए इन दोनों दिनों में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत-उपवास किए जाएंगे।

तीन शुभ योगों में एकादशी व्रत

24 जून, शुक्रवार को तीन शुभ योगों में एकादशी व्रत शुरू होगा। इस दिन सूर्योदय के समय सुकर्मा, सर्वार्थसिद्धि और लक्ष्मी नारायण योग रहेगा। इन योगों में व्रत का संकल्प लेना शुभ रहेगा। गुरु, शुक्र और शनि, तीनों ग्रह अपनी ही राशियों में रहेंगे। इससे सितारों की शुभ स्थिति में शुरू हुए इस व्रत का पुण्य तीन गुना हो जाएगा। शुक्रवार को एकादशी होने का विशेष महत्व है। इस दिन एकादशी व्रत रखने से घर में सुख, शांति, समृद्धि आती है।

त्रिपुष्कर योग में द्वादशी व्रत

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि 25 जून, शनिवार को रहेगी। इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल और तिल मिलाकर नहाते हैं। इसके बाद व्रत और पूजा का संकल्प लिया जाता है। फिर व्रत रखकर भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा करते हैं। पीपल में भी जल चढ़ाते हैं। दिनभर जरुरतमंद लोगों को दान किया जाता है। इस तिथि के स्वामी खुद भगवान विष्णु ही हैं। इसलिए द्वादशी तिथि पर इनकी विशेष पूजा करने का विधान है।

आषाढ़ मास के देवता हैं वामन

स्कंद पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने में भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा करने का विधान है। क्योंकि इस महीने के देवता भगवान वामन ही हैं। इसलिए आषाढ़ मास की दोनों एकादशी और द्वादशी तिथियों पर भगवान वामन की विशेष पूजा और व्रत करने की परंपरा है। वामन पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान भगवान विष्णु के इस अवतार की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। संतान सुख मिलता है, जाने-अनजाने में हुए पाप और शारीरिक परेशानियां भी खत्म हो जाती हैं।

गुस्से पर करना हैं नियंत्रण, तो जरूर अपनाएं ज्योतिष उपाय

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

आज के बदलते समय, भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ती जिम्मेदारियों की वजह से इंसान का चिड़चिड़ा होना और गुस्सा करना एक आम बात है। मगर फिर भी हमारे आसपास कुछ ऐसे लोग हैं जिन्हें गुस्सा जरूरत से ज्यादा आता है। ऐसे लोग बात-बात पर गुस्सा करते हैं या फिर बेवजह ही किसी भी व्यक्ति पर भड़क जाते हैं। यदि आप भी ऐसे ही लोगों में शामिल है तो इसका संबंध ज्योतिषीय दृष्टि से भी देखा जा सकता है। ज्योतिषीय दृष्टि से देखा जाए तो इसका संबंध ग्रह दोष से भी हो सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुस्सा केवल व्यवहार और दिमाग से ही जुड़ा नहीं होता बल्कि राहु और मंगल दोष के चलते भी व्यक्ति को ज्यादा गुस्सा आता है। हालांकि इसके लिए भी ज्योतिष में कुछ उपाय बताए गए हैं, जिनके के जरिए आप ग्रहों के बुरे प्रभाव को कम करके गुस्से पर नियंत्रण पा सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन ज्योतिष उपायों के बारे में जिसके जरिए गुस्से को कम किया जा सकता है।

चंदन का प्रयोग

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार अगर आपको अधिक गुस्सा आता है तो चंदन का प्रयोग करें। चंदन न सिर्फ आपके मन को शांत रखेगा और साथ ही इसके प्रयोग से राहु दोष से राहत मिलती है।

चांदी का प्रयोग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आपको बात-बात पर गुस्सा आता है तो अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने के लिए चांदी की अंगूठी या पेंडेंट में बड़े साइज का असली मोती पहननें। चांदी मन को शांत करता है। साथ ही यदि जातक चंद्र दोष से पीड़ित है तो उसे आप ठीक से नियंत्रित कर पाएंगे।

सूर्य देव को अर्घ्य दें

अपने गुस्से पर नियंत्रण पाने के लिए प्रतिदिन सुबह स्नान आदि के बाद सूर्यदेव को जल अर्पित करें और सूर्यदेव का ध्यान करें।

लाल रंग से करें परहेज

रोजमर्रा की जिंदगी में लाल कपड़ों का कम प्रयोग करें। लाल रंग उग्र स्वभाव का प्रतीक माना जाता है। आपको सफेद या क्रीम रंग के कपड़ों चुनाव करना चाहिए।

हनुमान चालीसा का पाठ करें

प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें, इससे न सिर्फ मंगल शांत होता है बल्कि गुस्सा भी कम होता है। इसके अलावा घर में सुबह-शाम दोनों समय पूर्व दिशा में दीपक जलाएं। इस उपाय से गुस्सा कम होता है।

पढ़ाई में ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता है आपका बच्चा तो करें ये उपाय, जरूर दिखेगा असर

बच्चे अपने मन मर्जी के मालिक होते हैं। हर बच्चे की अपनी विशेषता होती है और साथ ही उनकी पसंद-नापसंद होती है। कुछ बच्चे तो इतने पढ़ाकू होते हैं जो हमेशा आपको कॉपी किताबों में नजर गड़ाए नजर आएंगे। वहीं कुछ ऐसे बच्चे भी हैं जो पढ़ाई का नाम सुनकर दूर भागते हैं। उनका ध्यान पढ़ाई की ओर केंद्रित नहीं रहता है। ऐसे बच्चे पढ़ाई से जी चुराते हैं। कोरोना महामारी के बाद बच्चों में एकाग्रता की और कमी हो गई है। लेकिन कुछ वास्तु और ज्योतिष उपाय के माध्यम से उनका ध्यान पढ़ाई की ओर केंद्रित करा सकते हैं। उन्हीं उपायों में से एक है बच्चों के कमरे में कैंडल्स यानी मोमबत्ती लगाना। आइए जानते हैं बच्चों के कमरों में किस दिशा में मोमबत्ती लगानी चाहिए जिससे उनका मन पढ़ाई में लगा रहे। इसके साथ ही जानते हैं बच्चों का पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने के अन्य ज्योतिष उपाय।

किस दिशा में जलानी चाहिए मोमबत्ती

बच्चों के कमरे की पूर्वी, उत्तर-पूर्वी या दक्षिणी भाग में मोमबत्ती जलाने से बच्चे पढ़ाई की ओर आकर्षित होते हैं, उनका पढ़ाई में मन लगता है। साथ ही उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ती है।

किस दिशा में मोमबत्ती नहीं जलानी चाहिए

अब तक हमने आपको उन दिशाओं के बारे में बताया जहां कैंडल्स या मोमबत्ती लगाई जा सकती है। लेकिन कुछ ऐसे स्थान भी है जहां कैन्डल्स नहीं जलानी चाहिए। जैसे घर की उत्तरी दिशा में मोमबत्ती लगाने से धन का आगमन बाधित होता है और घर की आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए घर के उत्तरी कोने में मोमबत्ती नहीं जलानी चाहिए।

इस दिशा में भी न लगाएं मोमबत्ती

घर के वायव्य कोण, यानी कि उत्तर-पश्चिम दिशा में भी कैंडल्स नहीं रखनी चाहिए। यहां पर कैंडलस, यानी कि मोमबत्ती रखने से परिवार के सदस्यों में अशांति आती है और मन में परिवार के सदस्यों के प्रति जलन की भावना आती है।

स्टडी टेबल और कुर्सी का आकार

स्टडी टेबल का आकार रेक्टेंगल होना चाहिए। अनियमित आकार कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है लेकिन यह पढ़ाई में एकाग्रता को खराब करता है। हो सके तो टेबल को इस तरह रखें कि बच्चे का मुंह दीवार की ओर न हो। ध्यान रहे कि कुर्सी की बैक भी मजबूत हो।

एकाग्रता बढ़ाने के ज्योतिष उपाय

- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भगवान विष्णु की तस्वीर के सामने घी का दीपक जलाने के साथ ही केले के पेड़ में जल अर्पित करके वहां की मिट्टी से बच्चे का तिलक लगाना भी लाभकारी माना जाता है।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में बिल्कुल भी मन नहीं लगता है, तो आप उसकी जेब में एक फिटकरी का छोटा टुकड़ा रख दें और रोजाना अपने बच्चे के माथे तथा नाभि पर केसर का तिलक लगाएं।
- बच्चे की पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए हर गुरुवार को भगवान विष्णु के मंदिर में अपनी सामर्थ्य अनुसार धार्मिक पुस्तकें और पेन दान करना भी शुभ माना जाता है।
- आपका बच्चा जिस स्थान पर पढ़ाई करता हो वहां उसकी स्टडी टेबल का मुख हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ ही होना चाहिए।

27 जून से कुंभ समेत इन 3 राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, मंगलदेव की रहेगी विशेष कृपा

ग्रहों के सेनापति मंगल एक निश्चित अवधि में एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। 27 जून को मंगल अपनी स्वराशि मेष में गोचर करने जा रहे हैं। इस दिन मंगल का राशि परिवर्तन सुबह करब 06 बजे होगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, मंगल का राशि परिवर्तन तीन राशि वालों के लिए लकी साबित होगा। जानें किन राशि वालों को होगा फायदा-

मिथुन- मिथुन राशि वालों को मंगल गोचर के प्रभाव से लंबे समय से रुका धन वापस मिल सकता है। इस दौरान आपका कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। आपको मेहनत का अच्छा परिणाम हासिल होगा। आर्थिक मोर्चे पर आपको लाभ हो सकता है। कर्ज से मुक्ति मिलेगी। कर्ज या उधार चुकता करने में सक्षम होंगे। निवेश के लिए समय अनुकूल है।

कर्क- कर्क राशि वालों के लिए मंगल का राशि परिवर्तन शुभ साबित होगा। इस दौरान आपको शुभ समाचार मिस सकता है। मेहनत से किए गए कार्यों में सफलता हासिल होगी। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है। धन संचय करने में सफल होंगे। नौकरी पेशा करने वाले जातकों को प्रमोशन मिल सकता है। आय वृद्धि के योग बनेंगे।

कुंभ- कुंभ राशि वालों को करियर में शुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं। व्यापारियों को मुनाफा होगा। साझेदारी के काम में लाभ होने के आसार हैं। आय में वृद्धि हो सकती है। परिवार के सदस्यों व रिश्तेदारों का भरपूर सहयोग मिलेगा। भूमि या मकान खरीदने के लिए समय अनुकूल है।

भारत में अस्थमा के लिए इंडैकेटरोल + मोमेटासोन के फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन ड्रग

लॉन्च करने वाली पहली फार्मास्युटिकल कंपनी बनी 'ग्लेनमार्क'

मुंबई। प्रमुख इनोवेशन-ड्रिवेन ग्लोबल फार्मास्युटिकल कंपनी, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ग्लेनमार्क ने भारत में अनियंत्रित अस्थमा से पीड़ित मरीजों के लिए नॉवेल फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन एफडीसी ड्रग- इंडैकेटरोल ₹ मोमेटासोन के लॉन्च की घोषणा की है। कंपनी ने इस एफडीसी को इंडैमेटरु ब्रांड के नाम से लॉन्च किया है। यह ड्रग तीन शक्तियों में उपलब्ध होगा, जिसमें इंडैकेटरोल 150 एमसीजी का एक निश्चित डोज़ और क्रमशः मोमेटासोन 80 एमसीजी, 160 एमसीजी और 320 एमसीजी के वैरिएबल डोज़ होंगे, जिन्हें प्रतिदिन एक बार लेना होगा।

उक्त विषय पर बात करते हुए, आलोक मलिक, ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट और हेड, इंडिया फॉर्म्युलेशंस-ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने कहा, 'ग्लेनमार्क के लिए रेस्पिरेटरी प्रमुख फोकस क्षेत्र है और कंपनी मरीजों को नवीनतम उपचार विकल्प प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। हमें इस नॉवेल फिक्स्ड-डोज़ कॉम्बिनेशन इंडैमेटरु की पेशकश करते हुए गर्व हो रहा है, जो कि भारत में

अपनी तरह का पहला विकल्प है, जो अनियंत्रित अस्थमा से पीड़ित 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के किशोरों और वयस्कों दोनों के लिए विश्व स्तरीय और किफायती उपचार विकल्प प्रदान करता है।'

ग्लेनमार्क भारत की पहली कंपनी है, जिसने लंबे समय तक काम करने वाले बीटा-एगोनिस्ट और मोमेटासोन फ्यूरोएट, इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड, जिसे डीसीजीआई (ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया) द्वारा अनुमोदित किया गया है, के इनोवेटिव एफडीसी की मार्केटिंग को सक्षम बनाया है।

अस्थमा एक प्रमुख नॉन-कम्युनिकेबल डिसीज़ (एनसीडी) है, जो फेफड़ों में छोटे वायुमार्गों में होने वाली सूजन और सिकुड़न के कारण बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित करती है। भारत में अस्थमा 34 मिलियन से भी अधिक लोगों को प्रभावित करता है, जिससे हर साल हजारों मौतें होती हैं। इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) की ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीज़ रिपोर्ट के अनुसार, भारतीयों में अस्थमा के कारण 27.9₹ डिसेबिलिटी-अडजस्टेड लाइफ इयर्स (डीएएलवाई) में मृत्यु दर 3 गुना अधिक और वैश्विक की तुलना में डीएएलवाई में 2 गुना अधिक है। भारत में लम्बे समय से उपचार ले रहे कुल अस्थमा रोगियों में से लगभग 49₹ को अनियंत्रित अस्थमा है। इंडैमेटरु फेफड़ों के कार्य में सुधार, बेहतर सिम्प्टम कंट्रोल और तीव्रता को कम करके अनियंत्रित अस्थमा के प्रबंधन में मदद करेगा।

जियो-बीपी नेक्सस मॉल्स की ईवी यात्रा को बनाएगा सक्षम

नेक्सस मॉल्स की प्रॉपर्टीज़ में जियो-बीपी करेगा चार्जिंग स्टेशनों का इन्सटॉलेशन

चण्डीगढ़/इंदौर/पुणे। नेक्सस मॉल्स ने 13 'हरों में स्थित अपने 17 मॉल्स में आधुनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों एवं बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए जियो-बीपी (ईंधन एवं परिवहन के लिए आरआईएल और बीपी के संयुक्त उद्यम) के साथ साझेदारी की घो'णा की है।

इस साझेदारी के तहत जियो-बीपी ऐसा सिस्टम बनाएगा जहां ईवी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों को लाभ होगा। पिछले साल कंपनी ने भारत के दो सबसे बड़े ईवी चार्जिंग हब्स का निर्माण और लॉन्च किया था। इस साझेदारी के तहत नेक्सस मॉल्स में दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए 24ँ7 चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्स्टॉल किया जाएगा। पहले चरण में जून 2022 से नवी मुंबई, बैंगलुरू, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद में ये चार्जिंग स्टेशन उपलब्ध कराए जाएंगे।

ईवी अडॉप्शन को बढ़ावा देने के लिए नेक्सस कंपनी के उपभोक्ताओं को प्रेरित करेगा कि मॉल्स में अपने वाहनों को चार्ज करें। नेक्सस मॉल्स वर्तमान में दे'ा के सबसे बड़े मॉल मालिक हैं, 13 शहरों में इनके 17 मॉल हैं, जो पहले से 100 फीसदी बिज़नेस बहाल कर चुके हैं। महामारी के दौरान नेक्सस मॉल्स ने मॉल परिसर में अपने उपभोक्ताओं की सुरक्षा एवं हाइजीन को सुनि'चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए थे। इसी के परिणामस्वरूप वे उद्योग जगत में सबसे तेज़ी से अपना कारोबार सामान्य अवस्था में लाने में कामयाब रहे और उपभोक्ताओं के लिए खरीददारी का सबसे पसंदीदा गंतव्य बने हुए हैं।

ब्राण्ड जियो-बीपी पल्स के तहत संचालित संयुक्त उद्यम का इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कारोबार भारतीय उपभोक्ताओं को चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है। जियो-बीपी पल्स मोबाइल ऐप के साथ उपभोक्ता आसानी से अपने नज़दीकी चार्जिंग स्टे'ान का पता लगा सकते हैं और अपने इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज कर सकते हैं। इलेक्ट्रिफिके'ान में आरआईएल और बीपी की संयुक्त क्षमता का उपयोग करते हुए कंपनी ऐसे चार्जिंग सिस्टम का निर्माण कर रही है, जिसका लाभ ईवी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों को मिलेगा।

पॉलीकैब के बीएलडीसी ऊर्जा-बचत वाले पंखों के साथ बचाएं 65% तक बिजली

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

बिजली के सामान बनाने वाली देश की अग्रणी कंपनी, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड (पीआईएल) ने ऊर्जा-बचत करने वाले बहुप्रतीक्षित पॉलीकैब बीएलडीसी (ब्रशलेस डायरेक्ट करंट) पंखे लॉन्च किए हैं। विशेष रूप से कम बिजली की खपत के लिए डिज़ाइन किए गए पॉलीकैब बीएलडीसी पंखे आम सीलिंग पंखों की तुलना में बिजली के बिलों में बहुत बचत करते हैं। इस संदर्भ में, यह देखते हुए कि एक आम पंखा औसतन प्रतिदिन सोलह घंटे चलता है, और बिजली की औसत कीमत 6 रुपए प्रति यूनिट है। आम पंखे की तुलना में पॉलीकैब बीएलडीसी पंखे से आपके बिजली बिल पर प्रति वर्ष 1,500 रुपए की बचत होती है। ब्रशलेस मोटर एक ऐसी उन्नत तकनीक है जिसके लाभ पारंपरिक पंखों की तुलना में बहुत से अधिक हैं। पॉलीकैब बीएलडीसी ऊर्जा-बचत पंखा शोर-मुक्त है और इसके सुपर-एफिशिएंट मैकेनिज्म के कारण यह लंबे समय तक चलता है। पॉलीकैब ने उन्नत ब्रशलेस मोटर टैक्नोलॉजी

के विभिन्न फायदों के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने की योजना बनाई है और एक आकर्षक डिजिटल अभियान क्ष्र्ईन्हैंईंह लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य घरों और कार्यालयों में ब्रशलेस मोटर सीलिंग फैन को बढ़ावा देना है। इस तरह पॉलीकैब ब्रशलेस मोटर पंखों को एक स्मार्ट विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है।

अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड के प्रेसीडेंट और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर नीलेश मलानी ने कहा, "पॉलीकैब बीएलडीसी ऊर्जा-बचत करने वाले पंखे दरअसल भविष्य के सीलिंग फैन हैं, और हमारा ध्यान उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने पर है, ताकि वे इन पंखों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ें। ऐसी उन्नत तकनीक भारतीय परिवारों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। हम ऐसी नई टैक्नोलॉजी को विकसित करने और बड़े पैमाने पर लोगों को उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करते हैं, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा भारतीय परिवारों को सस्टेनेबिलिटी की ओर मोड़ा जा सके।

आसुस ने पोर्टेबल लैपटॉप 'ज़ेनबुक एस13 ओएलईडी' लॉन्च किया

गेमिंग-ग्रेड एएमडी रायज़ेन 7 5800H सीपीयू के साथ विवोबुक प्रो 14 ओएलईडी और विवोबुक 16एक्स की भी घोषणा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

ताइवान की टेक जायंट, आसुस ने आज अपने सबसे पतले और हल्के लैपटॉप, ज़ेनबुक एस13 ओएलईडी के लॉन्च की घोषणा की। लैपटॉप का वजन केवल 1.1 किलोग्राम है और यह 14.9 मिमी पतला है। ज़ेनबुक एस13 ओएलईडी के साथ, आसुस ने एक ऐसे लैपटॉप की पेशकश की है, जो बहुत पतला, शक्तिशाली और शानदार बैटरी लाइफ वाला है, जिसे विशेष रूप से वर्किंग प्रोफेशनल्स, डिजिटल नोमेड्स और अक्सर यात्रा से जुड़े रहने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। आसुस ने वीवोबुक प्रो 14 ओएलईडी और वीवोबुक 16एक्स का भी अनावरण किया है, जो मिलेनियल्स और वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए एक आदर्श साथी है। ज़ेनबुक एस13 ओएलईडी की रेंज 99,990 रूपए, वीवोबुक 14 प्रो ओएलईडी- 59,990 रूपए, और विवोबुक 16X- 54,990 रूपए से शुरू होती है, जो कि (आसुस ई-शॉप / अमेज़न) और ऑफलाइन (आसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स / आरओजी स्टोर्स / क्रोमा / विजय सेल्स / रिलायंस डिजिटल) पर उपलब्ध हैं। इसके साथ ही ज़ेनबुक एस13 ओएलईडी फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध है।

अल्ट्रा-थिन लैपटॉप पर सबसे तेज़ परफॉर्मेंस के साथ, #RiseWithRyzen एएमडी 6000/5000 सीरीज़ का लेटेस्ट लॉन्च, यूज़र में क्रिएटर, गेमर और सबसे महत्वपूर्ण रूप से प्रोफेशनल को उभारने के लिए डिज़ाइन किया गया है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, अर्नोल्ड सु, बिजनेस हेड, कंज्यूमर और गेमिंग पीसी, सिस्टम बिजनेस ग्रुप, आसुस इंडिया ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में, पीसी इंडस्ट्री ने भारत में तेजी से वृद्धि देखी है। बढ़ती डिमांड और बदलते वर्किंग एन्वायर्नमेंट को ध्यान में रखते हुए ही हमने अपने सबसे पतले लैपटॉप जेनबुक एस13 ओएलईडी को लॉन्च करने की घोषणा की है। डिवाइस में लेटेस्ट एएमडी रायज़ेन 6000 यू सीरीज़ सीपीयू है और यह यूज़र्स को अपने अद्भुत डिज़ाइन और फीचर्स के साथ अधिक फ्लेक्सिबिलिटी देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, हमें अपनी लेटेस्ट यूनिट्स- वीवोबुक 14 प्रो ओएलईडी और वीवोबुक 16एक्स ओएलईडी पेश करते हुए भी खुशी हो रही है, जो कि हमारे कस्टमर्स की डिमांड्स को पूरा करने के लिए तत्पर हैं।' विनय सिन्हा, मैनेजिंग डायरेक्टर- सेल्स, एएमडी इंडिया ने कहा, 'हम एएमडी के रायज़ेनरू 5000 मोबाइल और लेटेस्ट रायज़ेनरू 6000 मोबाइल प्रोसेसर्स द्वारा संचालित अपने लेटेस्ट ज़ेनबुक एस और वीवोबुक नोटबुक्स लॉन्च करने के लिए एएसयूएस इंडिया के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हैं। ये प्रोडक्ट्स आसुस के कुछ सबसे हल्के, कॉम्पैक्ट और पॉवर-पैक लैपटॉप्स में से एक हैं, और बेहतर परफॉर्मेंस और एफिशिएंसी प्रदान करने के लिए हमारी साझेदारी और पारस्परिक इच्छा को मजबूत करते हैं। रायज़ेनरू 6000 मोबाइल प्रोसेसर्स कॉन्टेंट क्रिएटर्स, स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स या कैजुअल गेमर्स सहित कई कस्टमर्स के लिए एक वर्सेटाइल सॉल्यूशन प्रदान करने के लिए Radeon™ ग्राफिक्स के साथ लेटेस्ट 'ज़ेन' 3+ कोर आर्किटेक्चर को जोड़ती है।'

अब नहीं हो पाएगा आधार का मिसयूज, जन्म से लेकर मृत्यु तक.. इससे जुड़ा होगा हर डेटा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आधार के दुरुपयोग को रोकने और इसका दायरा बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाने की तैयारी हो रही है। आधार जारी करने वाली एजेंसी यूआईडीएआई के मुताबिक जन्म और मृत्यु के डेटा को आधार से जोड़ा जाएगा। नवजात शिशु को अस्थाई आधार नंबर जारी किया जाएगा और बाद में इसे बायोमीट्रिक डेटा के साथ अपग्रेड किया जाएगा। साथ ही मृत्यु के पंजीकरण के रेकॉर्ड को भी आधार के साथ जोड़ा जाएगा ताकि इन नंबर के दुरुपयोग को रोका जा सके। यानी आधार में अब हर व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक के आंकड़े जोड़े जाएंगे। इसके लिए जल्दी ही दो पायलट प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी है। आधार को 2010 में लॉन्च किया गया था और देश की लगभग पूरी वयस्क आबादी को इसमें एनरॉल किया जा चुका है। एक अधिकारी ने कहा कि जन्म के साथ ही आधार नंबर अलॉट करने से यह सुनिश्चित होगा कि बच्चे और परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। इससे कोई भी सामाजिक सुरक्षा के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। इसी तरह मृत्यु के डेटा को आधार को जोड़ने से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (ॐ) योजना के दुरुपयोग को रोका जा सकेगा। अभी कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें लाभार्थी की मौत के बाद भी उसके आधार का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक इसके लिए जल्दी ही दो पायलट प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे।

जन्म और मृत्यु का डेटा

एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अभी पांच साल के बच्चों का बायोमीट्रिक डेटा लिया जाता है। हमारी टीम बच्चों के घर जाकर उनकी बायोमीट्रिक डिटेल लेकर उन्हें परमानेंट आधार नंबर दे सकती है। बच्चे की उम्र 18 साल होने पर बायोमीट्रिक को फिर से रजिस्टर किया जाता है। पांच से 18 साल की उम्र वाली 93 फीसदी आबादी का आधार रजिस्ट्रेशन है लेकिन पांच साल से कम उम्र के बच्चों में यह संख्या केवल 25 फीसदी है। यूआईडीएआई के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल अशोक पाल सिंह ने कहा कि नवजात बच्चों को प्रॉविजनल आधार नंबर जारी करने का प्रावधान पहले से ही है। लेकिन इस प्लान को अब लागू किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शहरों और राज्यों के जन्म पंजीकरण डेटाबेस के साथ डेटा को क्रॉस वेरिफाई किया जाएगा। साथ ही मृत्यु से जुड़े आंकड़ों के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों से डेटा मांगे जाएंगे ताकि किसी तरह का डुप्लिकेशन न हो। सरकारी सूत्रों के मुताबिक कोरोना महामारी के कारण देश में मृत्यु दर में तेजी आई है। कई मामलों में लाभार्थियों की मौत के बाद भी उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जिन लोगों की हाल में मौत हुई है, उनकी पेंशन अब भी निकाली जा रही है। उन लोगों के आधार नंबर अब भी एक्टिव हैं, इसलिए उनके खातों में ऑटोमैटिकली जा रही है।

क्या है जीरो आधार

साथ ही यूएआईडीएआई की जीरो आधार अलॉट करने की भी योजना है। इससे फर्जी आधार नंबर जेनरेट नहीं किया जा सकेगा। साथ ही एक व्यक्ति को एक से ज्यादा आधार नंबर अलॉट नहीं किए जा सकेंगे। जीरो आधार नंबर ऐसे लोगों को दिया जाता है जिनके पास जन्म, निवास या आय को कोई प्रमाण नहीं होता है। ऐसे व्यक्ति को आधार इंट्रोड्यूसर वेरिफाइड इलेक्ट्रॉनिक साइन के जरिए आधार इकोसिस्टम से इंट्रोड्यूस कराता है। यूएआईडीएआई का रीजनल ऑफिस समय-समय पर ऐसे लोगों को नोटिफाई करता है। अधिकारियों का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक साइन से यह सुनिश्चित होगा कि इंट्रोड्यूसर जेनुइन है और देशभर में उनके द्वारा इंट्रोड्यूस किए गए लोगों के नंबर का वेरिफिकेशन किया जा सकता है।

आधार में करवाना है बदलाव तो घर बैठे मिलेगी सेवा, जानें कौन कौन सी सेवा मिलेगी

यूआईडीएआई का चौथा प्रोजेक्ट आधार के दुरुपयोग को रोकने से जुड़ा है। इसके जरिए आधार नंबर को ड्राइविंग लाइसेंस, पैन, पासपोर्ट और डिजिलॉकर में स्टोर किए गए दूसरे दस्तावेजों के साथ क्रॉस चेक किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि आधार नंबर को ड्राइविंग लाइसेंस के साथ क्रॉस वेरिफाई करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट पहले से चल रहा है। इसके पीछे आइडिया यह है कि सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। पिछले पांच साल में 19.63 करोड़ नए आधार नंबर अलॉट किए गए हैं जबकि 52 करोड़ मौजूदा आधार नंबर को अपडेट किया गया है।

कोरोना वायरस: देश में बीते दिन मिले 12,249 नए संक्रमित, सक्रिय मामले 80,000 पार

नई दिल्ली। भारत में बीते दिन कोरोना वायरस से संक्रमण के 12,249 नए मामले सामने आए और 13 लोगों की मौत हुई। पिछले पांच दिन में ये चौथी बार है जब देश में 12,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,33,31,645 हो गई है। इनमें से 5,24,903 मरीजों की मौत हुई है। सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 81,687 हो गई है। विशेषज्ञों ने छोटी लहर की शुरूआत की आशंका जताई है।

रिकवरी रेट और टेस्टिंग बीते दिन ठीक हुए 9,862 मरीज

कोरोना वायरस के संक्रमण को हराकर ठीक होने वालों की बात करें तो पिछले 24 घंटे में देशभर में 9,862 मरीज ठीक हुए। इसी के साथ महामारी को हराकर ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या 4,27,25,055 हो गई है। देश की रिकवरी रेट 98.61 प्रतिशत है। कोरोना टेस्ट में पिछले 24 घंटे में देशभर में 3,10,623 टेस्ट किए गए हैं। अब तक देश में लगभग 85.88 करोड़ कोरोना टेस्ट किए जा चुके हैं।

ये हैं सर्वाधिक प्रभावित राज्य

सबसे अधिक प्रभावित राज्यों पर नजर डालें तो महाराष्ट्र में अब तक 79,41,762 लोगों को संक्रमित पाया जा चुका है और 1,47,889 लोगों की मौत हुई है।

दूसरे सर्वाधिक प्रभावित राज्य केरल में 66,08,717 लोगों को संक्रमित पाया गया है और 69,917 मरीजों की मौत हुई है।

39,62,099 मामलों और 40,071 मौतों के साथ कर्नाटक और 34,62,297 मामलों और 38,026 मौतों के साथ तमिलनाडु अगले दो सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं। देश के दैनिक मामलों में उछाल महाराष्ट्र, दिल्ली और केरल में संक्रमण में वृद्धि के कारण देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में दैनिक मामले 4,000 के आसपास बने हुए हैं। बीते दिन यहां 3,659 नए मामले सामने आए। इनमें से 1,781 नए मामले अकेले मुंबई में सामने आए। इसी तरह दिल्ली में बीते दिन 1,383 नए मामले पकड़ में आए। केरल में बीते दिन 4,224 नए लोगों को संक्रमित पाया गया।

वैक्सीनेशन अभियान में देश में अब तक वैक्सीन की 1,96,45,99,906 खुराकें लगाई जा चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीते दिन 12,28,291 खुराकें लगाई गईं। देश में 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों और वयस्कों को वैक्सीन लगाई जा रही है। दुनियाभर में संक्रमितों की संख्या 54 करोड़ पार जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के मुताबिक, दुनियाभर में अब तक लगभग 54.05 करोड़ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं, वहीं 63.22 लाख लोगों की मौत हुई है। सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में 8.64 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं और 10.14 लाख लोगों की मौत हुई है। अमेरिका के बाद भारत दूसरा सर्वाधिक प्रभावित देश है। तीसरे सबसे अधिक प्रभावित देश ब्राजील में लगभग 3.18 करोड़ संक्रमितों में से 6.69 लाख मरीजों की मौत हुई है।

गौतम अदाणी और डॉ प्रीति अदाणी ने योग अभ्यास के लिए प्रेरित किया

अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी और अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ प्रीति अदाणी ने, अदाणी परिवार टीम के 1,000 से अधिक सदस्यों के साथ हेल्थ, माइंडफुलनेस और मेडिटेशन के जश्न में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी से स्वस्थ राष्ट्र के लिए योग का अभ्यास करने का आह्वान किया। गौतम अदाणी और डॉ प्रीति अदाणी की मौजूदगी में अदाणी शांतिग्राम के फुटबॉल मैदान में अदाणी के 1,000 से अधिक कर्मचारी एकत्रित हुए। अदाणी शांतिग्राम के आसपास का शांत, हरा-भरा वातावरण, एक्सपर्ट्स प्रैक्टिसनर्स के मार्गदर्शन में एक घंटे के योग सेशन के लिए एक सर्वश्रेष्ठ स्थान था। इससे पहले, 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में, अदाणी फाउंडेशन ने गुजरात में 75 प्रतिष्ठित स्थलों पर योग-यात्रा का नेतृत्व किया। इस योग-यात्रा में पूरे गुजरात से 75 हैरिटेज, टूरिस्ट, पुरातात्विक और ऐतिहासिक आर्किटेक्चरल साइट्स को शामिल किया गया है। गुजरात की समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने के लिए इन साइटों को चुना गया था। गुजरात की अनूठी संस्कृति, इतिहास, अद्भुत आर्किटेक्चर, प्राकृतिक इको-सिस्टम और विविध भूगोल के बीच योग के लाभों को प्रदर्शित करने के लिए राज्य भर में योग प्रदर्शनों को शार्ट फिल्मों के रूप में रिकॉर्ड किया गया है। गुजरात की सुंदरता को उजागर करने और विभिन्न योग आसनों को दर्शाते हुए उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सचिन-जिगर द्वारा निर्मित और शंकर महादेवन द्वारा गाया गया एक गाना, 'योग करो' भी बनाया गया है। इस गाने में किए गए प्रत्येक आसन या पॉश्चर के एलिमेंट उस ख़ास जगह से जुड़े हैं, जैसे गिर जंगल में सिंहासन, वृक्षासन और मयूरासन का प्रदर्शन।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 27 पैसे टूटकर 78.40 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद

मुंबई। एजेंसी

विदेशी कोषों की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के चलते रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 27 पैसे की गिरावट के साथ 78.40 (अनंतिम) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेश में डॉलर की मजबूती से भी रुपये की धारणा पर असर पड़ा। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने रुपये के नुकसान को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 78.13 पर सपाट खुली और इसने दिन के कारोबार के दौरान 78.13 के ऊपरी और 78.40 के निचले स्तर को देखा। रुपया अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 27 पैसे की गिरावट के साथ 78.40 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। पिछले सत्र में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 78.13 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ 104.48 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 4.46 प्रतिशत गिरकर 109.54 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 2,701.21 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।